2016 (A)

सामाजिक विज्ञान

द्वितीय पाली (Second Sitting)

समय : 2 घंटे 45 मिनट] [पूर्णांक :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : 2013 (A) का निर्देश देखें।

ग्रुप-A : इतिहास (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. हिन्द-चीन पहुँचने वाले प्रथम व्यापारी कौन थे?
   (क) अंग्रेज (ख) फ्रांसीसी (ग) पुर्तगाली (घ) डच
2. रम्पा विद्रोह कब हुआ?
   (क) 1916 में (ख) 1917 में (ग) 1918 में (घ) 1919 में
3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
   ..... भारत के खिलाफत आंदोलन के नेता थे।
4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
   सन् 1938 में ..... में चार्टिस्ट आंदोलन की शुरुआत हुई।
5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
   यूरोपियन समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें।
6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
   भारत में राष्ट्रवाद के उदय के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालें।

7. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
गुटेनबर्ग ने मुद्रण यंत्र का विकास कैसे किया? 3

8. **निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।**
उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं? औद्योगीकरण ने उपनिवेशवाद को कैसे जन्म दिया? 7

अथवा,

ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के बीच की भिन्नताओं को स्पष्ट करें।

ग्रुप-B : भूगोल (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

9. **मरुस्थलीय मृदा किस राज्य में पायी जाती है?** 1
(क) उत्तर प्रदेश (ख) राजस्थान (ग) कर्नाटक (घ) महाराष्ट्र

10. **बिहार के कितने भौगोलिक क्षेत्र पर वन का फैलाव है?** 1
(क) 15% (ख) 20% (ग) 30% (घ) 7%

11. **सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—**
(i) मन्दार हिल .... जिला में है। 1
(ii) बिहार में अति जल दोहन से .... तत्व का संकेन्द्रण बढ़ा है। 1

12. **निम्न प्रश्न का उत्तर 20 में दें।**
बिहार में वन-विनाश के दो मुख्य कारकों को लिखें। 3

13. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
तल चिह्न और स्थानिक ऊँचाई में अन्तर स्पष्ट करें। 3

14. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं? 3

15. **निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।**
भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों के योगदान का विस्तारपूर्वक वर्णन करें। 7

अथवा,

पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए—
(क) रानीगंज (ख) अंकलेश्वर (ग) बरौनी (घ) कलपक्कम (ङ) सुन्दरवन क्षेत्र

अथवा,

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए—
भारत में गेहूँ की खेती का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

ग्रुप-C : लोकतांत्रिक राजनीति (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

16. **बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं?** 1
(क) 50% (ख) 25% (ग) 33% (घ) इनमें से कोई नहीं

17. **सूचना के अधिकार आंदोलन की शुरूआत किस राज्य से हुई?** 1
(क) राजस्थान (ख) दिल्ली (ग) तमिलनाडु (घ) बिहार

18. **निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।**
गुप्त मतदान पत्र क्या है? 2

19. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति का वर्णन करें। 3

20. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
लैंगिक असमानता क्या है? 3

21. **निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।**
परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं? 7

अथवा,

लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल क्यों आवश्यक है?

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

22. **निम्न में कौन एक बीमारू राज्य नहीं है?** 1
(क) बिहार (ख) मध्य प्रदेश (ग) उड़ीसा (घ) कर्नाटक

23. **वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण कब हुआ था?** 1
(क) 1966 में (ख) 1969 में (ग) 1980 में (घ) 1975 में

24. **निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।**
मिश्रित अर्थव्यवस्था क्या है? 2

25. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
आर्थिक नियोजन क्या है? 3

26. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
सकल घरेलू उत्पाद क्या है? 3

27. **निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।**
राष्ट्रीय आय की परिभाषा दें। उसकी गणना की प्रमुख विधियाँ कौन-सी हैं? 7

अथवा,

भारत में सामान्य व्यक्ति पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा?

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

28. **बाढ़ के समय हमें निम्नलिखित में से किस स्थान पर जाना चाहिए?** 1
(क) ऊँची भूमि वाले स्थान पर (ख) गाँव के बाहर
(ग) जहाँ हैं उसी स्थान पर रहना (घ) खेती में

29. **निम्नलिखित में से किस नदी को 'बिहार का शोक' कहा जाता है?** 1
(क) गंगा (ख) गंडक (ग) कोशी (घ) पुनपुन

30. **निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।**
आपदा के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें। 4

उत्तर (Answers)

1. (ग) 2. (क) 3. अली बंधु 4. इंगलैंड

5. ऐतिहासिक दृष्टि से आधुनिक समाजवाद का विभाजन दो चरणों में किया जाता है— मार्क्स से पूर्व एवं मार्क्स के पश्चात्। मार्क्सवादी विचारकों ने इन्हें क्रमशः यूटोपियन समाजवाद तथा वैज्ञानिक साजवाद का नाम दिया।

प्रथम यूटोपियन समाजवाद के जनक एक फ्रांसीसी विचारक सेंट साइमन थे। उनका विचार था कि लोग परस्पर शोषण करने के बजाय मिल-जुलकर प्रकृति का दोहन करें। समाज को निर्धन वर्ग के उत्थान हेतु कार्य करना चाहिए। उनका नारा था— "प्रत्येक को उसकी क्षमतानुसार तथा प्रत्येक को उसके कार्यानुसार। यह नारा समाजवाद का मूल नारा बन गया।

एक महत्त्वपूर्ण यूटोपियन चिन्तक ब्रिटिश उद्योगपति रॉबर्ट ओवन था। उसकी न्यू लूनार्क (स्कॉटलैंड) में एक फैक्ट्री थी। इस फैक्ट्री में उसने श्रमिकों को अच्छी वैतनिक सुविधाएँ प्रदान की। उनका जीवन-स्तर भी बढ़ गया था। उसका निष्कर्ष था—संतुष्ट श्रमिक ही वास्तविक श्रमिक है।

यूटोपियन चिंतक आरम्भिक चिंतक थे जिन्होंने पूँजी और श्रम के बीच संबंधों की समस्या का निराकरण करने का प्रयास किया। दृष्टि आदर्शवादी थी। ये प्रबुद्ध चिन्तकों की तरह मानव की मूलभूत अच्छाई एवं जगत की पूर्णता में विश्वास किया करते थे। इन्होंने वर्ग-संघर्ष के बदले वर्ग समन्वय पर बल दिया।

6. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के सामाजिक कारण : (i) अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध असंतोष (ii) आर्थिक कारण (iii) अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार (iv) मध्यम वर्ग का उदय (v) साहित्य एवं समाचार-पत्रों का योगदान (vi) सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन का प्रभाव (vii) पश्चिमी सभ्यता से संपर्क (viii) प्राचीन संस्कृति का ज्ञान (ix) प्रजातीय विभेद की नीति (x) भारत का राजनीतिक एकीकरण (xi) लिटन और रिपन की प्रतिगामी नीतियाँ तथा (xii) राजनीतिक संस्थाओं का योगदान।

7. जर्मनी के गुटेनबर्ग ने चौदहवीं शताब्दी में इस तकनीक में और आगे सुधार किया। यह कहा जाता है कि उसने सर्वप्रथम पोप के 'लेटर्स ऑफ इंडल्जेन्स' अनुग्रह और बाइबिल के एक संस्करण को छापा था। यह नया आविष्कार शीघ्र ही काफी लोकप्रिय हो गया क्योंकि मुद्रित पुस्तकें सस्ती तो पड़ती ही थीं, साथ ही उनमें प्रतिलिपिकारों द्वारा की जाने वाली भूलें भी बहुत कम होती थीं और वे एक साथ बड़ी संख्या में छापी जा सकती थीं।

8. 2011 (A) के प्रश्न-संख्या 12 (अथवा) का उत्तर देखें।

अथवा,

2011 (A) के प्रश्न-संख्या 8 का उत्तर देखें।

9. (ख) **10.** (घ) **11.** (i) बांका (ii) आर्सेनिक

12. बिहार के वनों का वितरण बहुत ही असमान है। बिहार के मैदानी भागों एवं दियारा क्षेत्रों में तो प्राकृतिक वनों का पूर्णतः अभाव है। इस राज्य में वन-सम्पदा की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। बिहार में वन-विनाश के निम्नांकित दो मुख्य कारक हैं—(i) बिहार में कृषि भूमि के विस्तार के लिए अंधाधुंध वृक्षों की कटाई हो रही है। भारी संख्या में वृक्ष काटे जा रहे हैं। वन क्षेत्र का एक विशाल क्षेत्र इससे प्रभावित हुआ है। (ii) निर्माण क्षेत्रों के विकास के लिए भी असंख्य वृक्ष काटे जा रहे हैं। भवन निर्माण, कल-कारखानों ने उद्योग-धंधों के विस्तार के लिए भी वनों का विनाश हो रहा है।

13. वास्तविक सर्वेक्षण द्वारा किसी स्थान की समुद्र तल से मापी गई ऊँचाई को प्रदर्शित करने वाले चिह्न को **तल चिह्न** कहा जाता है। मानचित्र पर ऐसे ऊँचाई को प्रदर्शित करने के लिए ऊँचाई फीट या मीटर किसी एक इकाई में लिखा जाता है। इससे उस स्थान की ऊँचाई का ज्ञान होता है।

तल चिह्न की सहायता से किसी स्थान-विशेष की मापी गई ऊँचाई को **स्थानिक ऊँचाई** कहा जाता है। इस विधि में समुद्र तल से किसी स्थान की ऊँचाई प्रदर्शित करने के लिए एक स्पष्ट बिन्दु के समीप अंक लिख दिये जाते हैं। अंकों से निर्मित संख्या उस स्थान की समुद्र तल से ऊँचाई प्रदर्शित करती है।

14. 2011 (A) के प्रश्न-संख्या 15 का उत्तर देखें।

15. भारत में सकल घरेलू उत्पाद में निर्माण उद्योग का योगदान 17 प्रतिशत है। अन्य पूर्वी एशियाई देशों में निर्माण उद्योग का सकल घरेलू उत्पाद में 25 से 35 प्रतिशत का योगदान है। पिछले दशक में भारतीय निर्माण उद्योग में 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से वृद्धि हुई है। अगले दशक में यह वृद्धि दर 12 प्रतिशत अपेक्षित है। वर्ष 2003 से निर्माण क्षेत्र का विकास 9 से 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हुआ है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि उपयुक्त सरकारी नीतियों तथा औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी के नए प्रयासों से अगले एक दशक में अपना लक्ष्य पूरा कर सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धा परिषद की स्थापना की गई है।

किसी भी देश की प्रगति वहाँ के औद्योगिक विकास पर निर्भर करती है। उद्योग प्राकृतिक संसाधन एवं वस्तुओं के मूल्य अभिवृद्धि में सहायक होते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में औद्योगीकरण की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। औद्योगिक आत्म- निर्भरता को प्रमुख लक्ष्य रखा गया है। कई बड़े-बड़े उद्योगों की स्थापना की गई है। आज भारत कच्चा माल का निर्यातक नहीं बल्कि निर्मित माल का निर्यातक बन गया है। राष्ट्रीय आय का एक बड़ा भाग उद्योगों से प्राप्त होता है। उद्योगों में लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त है। औद्योगिक प्रगति से कृषि का भी विकास हुआ है। आज हम अपनी आवश्यकताओं

की पूर्ति करने में स्वयं सक्षम है। विदेशों पर औद्योगिक उत्पादों के लिए निर्भरता बहुत कम हो गयी है। आज भारत इस स्थिति में पहुँच गया है कि वह विदेशों में औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए परामर्श सेवाओं के साथ-साथ प्रबन्धक तकनीशियन तथा कुशल कर्मचारी प्रदान कर सकता है।

अथवा,

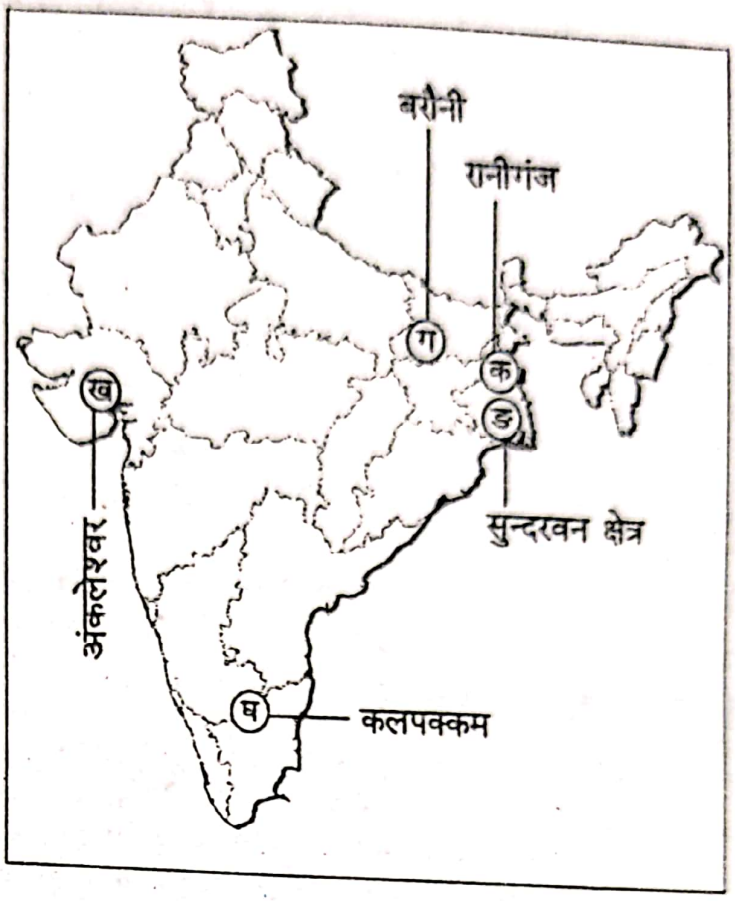

अथवा,

गेहूँ उत्पादन हेतु मुख्य भौगोलिक दशाएँ निम्नलिखित हैं—(i) गेहूँ शीतोष्ण कटिबंधीय पौधा है। इसके बोने के समय 10° सेंटीग्रेट तथा पकते समय 15° सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिए। (ii) इसके उपज के लिए 50 से 75 सेमी वर्षा आवश्यक है। (iii) इसके लिए दोमट जलोढ़ मिट्टी उपयुक्त होती है। (iv) पकते समय गेहूँ को खिली धूप की आवश्यकता होती है।

उत्पादक क्षेत्र : देश में कुल गेहूँ उत्पादन का 2/3 हिस्सा पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्राप्त किया जाता है। देश का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है जहाँ देश का 1/3 भाग गेहूँ पैदा किया जाता है। इसके अलावे बिहार, पं॰ बंगला, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी गेहूँ की खेती की जाती है।

16. (क) **17.** (क)

18. भारतीय संविधान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए गुप्त मतदान की व्यवस्था है। देश का प्रत्येक 18 वर्ष के ऊपर की आयु के मताधिकार प्राप्त प्रत्येक व्यक्ति को अपना मतदान, मतपत्र (बैलेट पेपर) अथवा ई॰वी॰एम॰ मशीन द्वारा वहाँ की व्यवस्था के अनुसार किसी व्यक्ति को बतलाए बिना, गुप्त ढंग से करना है। मतदाता अपनी पसंद के अनुसार योग्य उम्मीदवार के पक्ष में उस प्रत्याशी के नाम के आगे निशान लगाकर अथवा मशीन का बटन दबाकर (जहाँ जैसी व्यवस्था हो) गुप्त ढंग से अपना मतदान करता है। मतदान की निष्पक्षता एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए इस प्रकार की व्यवस्था की गई है। इसी व्यवस्था को गुप्त मतदान प्रणाली कहा जाता है। इसके द्वारा अवैधानिक तथा अनैतिक कारगुजारियों पर व्यापक अंकुश लगाया जाता है।

19. प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यायिक कार्यों को सम्पन्न करने के लिए एक ग्राम-कचहरी का गठन किया जाता है। ग्राम-कचहरी के न्यायपीठ का निर्णय लिखित रूप में होता है और उसपर सभी सदस्यों का हस्ताक्षर होता है। ग्राम-कचहरी भारतीय दण्ड संहिता की अनेक धाराओं से संबंधित मुकदमों को देख सकती है। उसे फौजदारी और दीवानी दोनों मुकदमों की सुनवाई करने का अधिकार होता है। फैजदारी

मुकदमों में ग्राम-कचहरी को अधिकतम तीन माह तक का साधारण कारावास तथा अधिकतम एक हजार रुपए तक का जुर्माना और उसका उल्लंघन होने पर अधिकतम पन्द्रह दिनों का साधारण कारावास देने का अधिकार है। दस हजार रुपए तक के दीवानी मुकदमे सुनने का भी अधिकार ग्राम-कचहरी को प्राप्त है।

20. लिंग के आधार पर समाज में महिलाओं व पुरुषों में जो असमानता पायी जाती है, उसे लैंगिक असमानता कहते हैं। यह असमानता सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक व अन्य क्षेत्रों में पाई जाती है।

21. बिहार के लोकतंत्र में जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद जैसी बुराइयाँ हैं। यहाँ यह निर्णायक भूमिका निभाती है। परिवारवाद के चलते राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है। ऐसी परिस्थिति में भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति को सुदृढ़ बनाने के लिए कुछ लोग कानून का निर्माण कर इसे साफ-सुथरा बनाने की बात करते हैं। परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा। जैसे हमारा संविधान अस्पृश्यता को नकारता है, फिर भी बिहार में आज भी अस्पृश्यता कायम है।

अथवा,

लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दलों की प्रमुखतः निम्नांकित कार्यों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यकता है—

(i) **नीतियों को बनाना** : बिना राजनीतिक दलों के लोकतंत्र के बारे में कल्पना करना ही असंभव है क्योंकि अगर दल न हों तो सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होंगे। तब इनमें से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में लोगों से चुनावी वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा।

(ii) **सरकारी की संदिग्ध उपयोगिता** : सरकार बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध होगी। निर्वाचित प्रतिनिधि सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कामों के लिए जवाबदेह होंगे। लेकिन देश कैसे चले कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

(iii) **प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र** : राजनीतिक दलों का उदय प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के उभार के साथ जुड़ा है। बड़े समाजों के लिए प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की जरूरत होती है।

(iv) **जनमत बनाने के लिए** : जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं, तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचार समेटने और सरकार की नजर में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की जरूरत होती है।

22. (घ) 23. (ख)

24. मिश्रित अर्थव्यवस्था पूँजीवादी तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था का मिश्रण है। मिश्रित अर्थव्यवस्था वह है जहाँ उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सरकार तथा निजी व्यक्तियों के पास होता है। मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूँजीवादी एवं समाजवादी अर्थव्यवस्था के दोषों का निराकरण कर उनके गुणों को अपनाने की चेष्टा की जाती है। इस अर्थव्यवस्था में न तो स्वतंत्र पूँजीवाद को पूर्णतः प्रश्रय दिया जाता है और न समाजवादी अर्थव्यवस्था की तरह अर्थव्यवस्था पर सरकार का पूर्ण नियंत्रण ही रहता है।

25. आर्थिक नियोजन का अर्थ राष्ट्र का प्राथमिकताओं के अनुसार देश के संसाधनों का विभिन्न विकासात्मक क्रियाओं में प्रयोग करना है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था के लिए उपलब्ध संसाधनों का ऐसा नियोजन, समन्वय एवं उपयोग करना है जिनसे इस चरणबद्ध कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्वनिर्धारित सामाजिक तथा आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति कर लेते हैं।

भारत का योजना आयोग, आगामी पाँच वर्षों के लिए राष्ट्रीय आर्थिक विकास की योजना बनाता है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नहरू की अध्यक्षता में प्रथम योजना आयोग ने 1950 के 15 मार्च से कार्य करना शुरू किया था। भारत ने अब तक कुल ग्यारह पंचवर्षीय याजनाएँ तथा तीन वार्षिक योजनाएँ बनाकर अपना आर्थिक नियोजन किया है। नियोजित आर्थिक विकास ने ही भारत के आर्थिक विकास को गति दी है। योजना आयोग अपनी योजना द्वारा मुख्य रूप से आर्थिक विकास दर में वृद्धि, कृषि एवं उद्योगों का आधुनिकीकरण तथा नयी तकनीकों से लैस करना, आत्मनिर्भरता की प्राप्ति एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देता है।

26. किसी एक देश की सीमा के अन्दर किसी भी दी गई समयावधि, प्रायः एक वर्ष में उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल बाजार या मौद्रिक मूल्य, उस देश का सकल घरेलू उत्पाद

कहलाता है। सकल घरेलू उत्पादन में अप्रत्यक्ष करों एवं मूल्य-ह्रास को जोड़ा जाता है क्योंकि वे भी साधनों की आय ही हैं जिन्हें वे प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त नहीं करते हैं।

27. **प्रो० पीगू** ने राष्ट्रीय आय की परिभाषा निम्नलिखित शब्दों में दिया है— ''राष्ट्रीय लाभांश किसी समाज की वस्तुनिष्ठ अथवा भौतिक आय का वह भाग है, जिसमें विदेशों से प्राप्त आय भी सम्मिलित होती है और जिसकी, मुद्रा के रूप में माप हो सकती है।''

राष्ट्रीय आय की गणना पाँच प्रकार से की जाती है—

(i) **उत्पादन-गणना विधि** : जब किसी देश के लोगों की आय उत्पादन के माध्यम से अथवा मौद्रिक आय के माध्यम से प्राप्त होता है तो इसकी गणना उत्पादन के योग के द्वारा किया जाता है। इस गणना विधि को उत्पादन-गणना विधि कहा जाता है।

(ii) **आय-गणना विधि** : जब किसी राष्ट्र के निवासियों की आय के आधार पर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है तो उस गणना विधि को आय-गणना विधि कहा जाता है।

(iii) **व्यय-गणना विधि** : हम जानते हैं कि प्राप्त की गई आय को व्यक्ति अपने उपभोग के लिए व्यय भी करता है। इसी कारण राष्ट्रीय आय की गणना व्यक्तियों के व्यय के माप से किया जाता है। किसी भी देश के राष्ट्रीय आय को मापने की इस प्रक्रिया को व्यय-गणना विधि कहते हैं।

(iv) **मूल्य-योग विधि** : जब उत्पादित की हुई वस्तुओं का मूल्य विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्तियों के द्वारा किए गए प्रयास से बढ़ जाता है तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय आय की गणना को मूल्य-योग विधि कहते हैं।

(v) **व्यावसायिक-गणना विधि** : जब व्यावसायिक संरचना के आधार पर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है तो ऐसी गणना को व्यावसायिक-गणना विधि कहते हैं।

अथवा,

भारत सरकार की वैश्वीकरण की नीति लगभग दो दशक पूर्व अपनाई गई। इसके फलस्वरूप देश में अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों का आगमन हुआ है, विदेशी निवेश बढ़ा है तथा सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि हुई है। लेकिन, इससे समाज के सभी वर्ग के लोग समान रूप से लाभान्वित नहीं हुए हैं।

वैश्वीकरण से भारत के धनी उपभोक्ता तथा बड़े उत्पादक लाभान्वित हुए हैं। लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा ने मध्यम और छोटे उत्पादकों को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित किया है। खिलौने, बैटरी, टायर, डेयरी-उत्पाद एवं खाद्य-तेल के उद्योग कुछ ऐसे उदाहरण हैं जहाँ प्रतिस्पर्द्धा के कारण छोटे उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसके फलस्वरूप अनेक लघु इकाइयाँ बंद हो गई हैं और इनमें कार्यरत श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं। ऐसा अनुमान है कि पिछले कुछ वर्षों में लगभग 5 लाख लघु इकाइयाँ बंद हो चुकी हैं जिससे 25 लाख से अधिक श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु उद्योगों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा कृषि के बाद यह क्षेत्र देश में सबसे अधिक श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है।

वैश्वीकरण से श्रमिकों का जीवन व्यापक रूप से प्रभावित हुआ है। इससे प्रायः कुशल श्रमिकों की आय में वृद्धि हुई है। लेकिन अकुशल श्रमिकों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रतिस्पर्द्धा के कारण अब अधिकांश नियोजक रोजगार की शर्तों को लचीला बनाने के लिए प्रयासरत हैं। इसका अभिप्राय यह है कि वे अपनी आवश्यकतानुसार श्रमिकों की नियुक्ति और उनकी छँटनी करने लगे हैं। इसका एक उदाहरण परिधान उद्योग है। इसके फलस्वरूप, इस उद्योग के अनेक श्रमिक बेरोजगार हुए हैं और अस्थायी श्रमिक के रूप में कार्य करने के लिए विवश हैं।

28. (क) 29. (ग)

30. उत्पत्ति के कारकों के आधार पर आपदा को सामान्यतया दो वर्गों में विभक्त किया जाता है—

(i) **प्राकृतिक आपदा** : प्राकृतिक आपदा पृथ्वी के अन्दर से उत्पन्न होनेवाले तथा वायुमंडल से उत्पन्न होनेवाले प्रक्रमों द्वारा उत्पन्न होते हैं और मानव समाज को आर्थिक एवं शारीरिक दोनों दृष्टियों से भारी क्षति पहुँचाते हैं। यथा— भूकम्प, बाढ़, तूफान आदि।

(ii) **मानवजनित आपदा** : मानवीय क्रियाओं के द्वारा जाने-अनजाने किये गये कार्यों के फलस्वरूप जो आपदाएँ उत्पन्न होती हैं, उसे मानवजनित या मानवीय आपदा कहते हैं। यथा— जहरीले रसायनों का विमोचन, आतंकवाद, खनिज तेल का सागरीय जल में रिसाव, नाभिकीय विस्फोट आदि।